23 राजस्थानी भाषा व बोलियाँ

1. किस बोली को 'भीलों की बोली' कहा जाता है?
(1) ढूंढाड़ी (2) मालवी
(3) अहीरवाटी (4) बागड़ी (4)

व्याख्या– जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने इसे 'भीली' बोली कहा है, यह मुख्यतः बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़ व सिरोही में बोली जाती है।

2. दादु पंथ का अधिकांश साहित्य किस बोली में है?
(1) ढूंढाड़ी (2) मालवी
(3) मारवाड़ी (4) मेवाती (1)

3. राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी भाग में किस बोली का प्रचलन है?
(1) हाड़ौती (2) बागड़ी
(3) नागरचोल (4) मेवाती (1)

व्याख्या– हाड़ौती बोली कोटा,बूँदी,बारां,झालावाड़ में बोली जाती है। इसका निर्माण मेवाड़ी और गुजराती भाषाओं के मिश्रण से हुआ है। वर्तनी की दृष्टि से राजस्थानी की सभी बोलियों में सबसे कठिन मानी जाती है। हाड़ौती बोली में लिखित साहित्य बहुत कम उपलब्ध है।

4. वीर रस में डिंगल काव्य की रचना का श्रेय किस जाति को है?
(1) गुर्जर (2) राजपूत
(3) ओसवाल (4) चारण व भाटों को (4)

5. सोडवाड़ी, पाटवी, रतलामी, उमठवाटी आदि मुख्य उपबोलियाँ है?
(1) ढूंढाड़ी (2) मालवी
(3) मारवाड़ी (4) मेवाती (2)

6. ग्रियर्सन ने बागड़ (डूँगरपुर–बाँसवाड़ा) में बोली जाने वाली बोली को कहा है?
(1) भीली (2) रांगड़ी
(3) मेवाड़ी (4) निमाड़ी (1)

7. निमाड़ी व रांगड़ी किस बोली की उपबोली है?
(1) मेवाती (2) मालवी
(3) हाड़ौती (4) अहीरवाटी (2)

व्याख्या– मालवी की उपबोलियाँ– निमाड़ी, रांगड़ी, सोडवाड़ी, पाटवी, रतलामी व उमठवाटी हैं।

8. राजस्थानी बोलियों का सर्वप्रथम वर्गीकरण करने वाले विद्वान थे?
(1) कर्नल जेम्स टॉड (2) एल. पी टेस्सीतोरी
(3) जार्ज ग्रियर्सन (4) मोतीलाल मेनारिया (3)

व्याख्या– जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने 1912 में अपनी पुस्तक 'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया' में राजस्थानी बोलियों का वर्गीकरण 5 भागों में किया है।

9. राजस्थानी भाषा दिवस कब मनाया जाता है?
(1) 14 सितम्बर (2) 21 फरवरी
(3) 11 जनवरी (4) 24 मार्च (2)

10. तोरावाटी बोली प्रचलित है?
(1) नीम का थाना (2) कुचामन
(3) झुन्झुनू (4) बहरोड़ (1)

व्याख्या– तोरावाटी बोली झुंझुनूं जिले के दक्षिणी भाग, सीकर जिले के पूर्वी भाग (नीम का थाना व पाटन) व जयपुर के उत्तरी भाग में बोली जाती है। यह ढूंढाड़ी की उपबोली है।

11. राजस्थान की भाषा के लिए 'राजस्थानी' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया था?
(1) आनन्द कुमार स्वामी (2) कर्नल टॉड
(3) एल. पी. टेस्सीतोरी (4) जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन (4)

12. ढूंढाड़ी बोली के प्रचलित विविध रूपों में निम्न में से कौन सा सही नहीं है?
(1) किशनगढ़ी (2) काठेड़ी
(3) चौरासी (4) खैराड़ी (4)

व्याख्या– खैराड़ी मारवाड़ी की उपबोली है।

13. राजस्थानी भाषा का सही विकास क्रम है–
(1) पाली, गुर्जरी अपभ्रंश, शोरसैनी , राजस्थानी
(2) पाली, शोरसैनी, गुर्जरी अपभ्रंश, राजस्थानी
(3) शोरसैनी, पाली, गुर्जरी अपभ्रंश, राजस्थानी
(4) शोरसैनी, गुर्जरी अपभ्रंश, पाली, राजस्थानी (2)

14. डूँगरपुर–बाँसवाड़ा क्षेत्र में कौनसी भाषा बोली जाती है?
(1) मेवाड़ी (2) वागड़ी
(3) मालवी (4) काठेड़ी (2)

15. अहीरवाटी और मेवाती बोलियाँ निम्न में से किस वर्गीकरण में आती है?
(1) उत्तरी राजस्थानी (2) उत्तर–पूर्वी राजस्थानी
(3) मध्य–पूर्वी राजस्थानी (4) दक्षिणी–पूर्वी राजस्थानी (2)

16. किस भाषा से राजस्थानी का उद्‌भव हुआ है?
(1) मागधी प्राकृत (2) गुर्जरी अपभ्रंश
(3) नागर अपभ्रंश (4) महाराष्ट्री प्राकृत (2)

17. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में मेवाती भाषा बोली जाती है?
(1) डूँगरपुर (2) सीकर
(3) भीलवाड़ा (4) अलवर (4)

18. तोरावाटी किसकी उपबोली है?
(1) मारवाड़ी (2) ढूँढाड़ी
(3) मेवाड़ी (4) मेवाती (2)

19. सोरठा छंद और माँड राग जिस बोली की शिल्पगत विशेषताएँ है, वह है?
(1) मारवाड़ी (2) मेवाड़ी
(3) हाड़ौती (4) ढूँढाड़ी (1)

20. कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति के अनुसार महाराणा कुम्भा द्वारा रचित चार नाटकों में किस भाषा का प्रयोग किया गया था?
(1) मारवाड़ी (2) वागड़ी
(3) मेवाड़ी (4) हाड़ौती (3)

21. उदयपुर, भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ में अधिकांशतः बोली जाती है?
(1) मारवाड़ी (2) मेवाड़ी
(3) थली (4) राठी (2)

व्याख्या– मेवाड़ी बोली मेवाड़ क्षेत्र में विशेषकर राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा जिलों में बोली जाती है। मारवाड़ी के बाद यह राजस्थान की दूसरी महत्त्वपूर्ण बोली है।

22. जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने राजस्थानी बोलियाँ का सर्वप्रथम वर्गीकरण अपनी किस पुस्तक में किया है?
(1) एशियन ऐन्टिक्वेरी (2) इंडियन ऐन्टिक्वेरी
(3) लिंग्विस्टक सर्वे ऑफ एशिया (4) लिंग्विस्टक सर्वे ऑफ इंडिया (4)

23. 'इंडियन ऐन्टिक्वेरी' (1914–1916) नामक पुस्तक किस विद्वान द्वारा लिखी गई?
(1) जॉर्ज अब्राहम (2) एल.पी. टैस्सिटोरी
(3) के.एम. मुंशी (4) पुरुषोत्तम लाल मेनारिया (2)

व्याख्या– एल. पी. टेस्सीटोरी ने अपनी पुस्तक 'इंडियन ऐन्टिक्वेरी' (1914–16) में राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डाला है। इन्होने राजस्थानी भाषा को 2 भागों में बांटा है।
1. पूर्वी राजस्थानी 2. पश्चिमी राजस्थानी
इन्होने पश्चिमी राजस्थानी की उत्पत्ति 'शौरसैनी अपभ्रंश' से मानी है।

24. लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया में ग्रियर्सन ने राजस्थानी बोलियों को कितने भागों में बांटा है?
(1) 7 (2) 2
(3) 5 (4) 3 (3)

व्याख्या– ग्रियर्सन के अनुसार राजस्थानी बोलियों के 5 भाग निम्न प्रकार हैं– 1. पश्चिमी राजस्थानी 2. दक्षिणी राजस्थानी 3. उत्तरी पूर्वी राजस्थानी 4. मध्य पूर्वी राजस्थानी 5. दक्षिणी पूर्वी राजस्थानी ।

25. मुड़िया लिपि या महाजनी लिपि के अक्षरों का आविष्कारक किसे माना जाता है?
(1) टोडरमल (2) शिवचन्द्र भरतिया
(3) सीताराम लालस (4) महक सिंह (1)

26. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) 'डिंगल शैली' में मारवाड़ी मिश्रित राजस्थानी भाषा का प्रयोग है।
(2) पिंगल शैली में ब्रज मिश्रित राजस्थानी भाषा का प्रयोग है।
(3) डिंगल शैली का सर्वप्रथम प्रयोग 'पिंगल शिरोमणी' में कुशल लाभ ने किया।
(4) डिंगल शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'कुकवि बतीसी' में कवि मेह ने किया। (4)

व्याख्या– डिंगल शब्द का प्रयोग बांकिदास आशिया द्वारा रचित 'कुकवि बतीसी' में मिलता है।

27. भारतीय भाषाओं में राजस्थानी भाषा का कौनसा स्थान है?
(1) 22वाँ (2) 18वाँ
(3) 8वाँ (4) 7वाँ (4)

28. कौनसी बोली पश्चिमी हिन्दी व राजस्थानी के मध्य सेतु का कार्य करती है?
(1) हाड़ौती (2) मारवाड़ी
(3) तोरावाटी (4) मेवाती (4)

29. निम्न में से पिंगल शैली में लिखा हुआ ग्रंथ नहीं है?
(1) पृथ्वीराज रासो (2) विजयपाल रासो
(3) राव जैतसी रो छंद (4) वंश भास्कर (3)

व्याख्या– राव जैतसी रो छंद डिंगल शैली में लिखा गया है।

30. कवि शारंगधर की रचना 'हम्मीर रासो' किस बोली में है?
(1) अहीरवाटी (2) मारवाड़ी
(3) मेवाड़ी (4) बागड़ी (1)

31. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) मीरां के अधिकांश पद मारवाड़ी बोली में है।
(2) महाराणा कुम्भा की रचनाएँ मेवाड़ी बोली में है।
(3) दयाबाई व सहजोबाई का साहित्य मेवाती बोली में है।
(4) अली बक्शी ख्याल खैराड़ी बोली में है। (4)

व्याख्या– अलीबक्शी ख्याल अहीरवाटी बोली में है।

32. निम्न में से मारवाड़ी की उपबोली नहीं है?
(1) निमाड़ी (2) ढ़टकी
(3) ढ़ाटी (4) खेराड़ी (1)

33. इन्द्रगढ़ (बूँदी) व शाहबाद, किशनगंज (बारां) में बोली जाने वाली बोली है?
(1) मेवाती (2) हाड़ौती
(3) राजावाटी (4) मालखैराड़ी (2)

34. निमाड़ी बोली राजस्थान के किस क्षेत्र में बोली जाती है?
(1) दक्षिणी राजस्थान (2) पूर्वी राजस्थान
(3) उत्तरी राजस्थान (4) पश्चिमी राजस्थान (1)

35. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) काठेड़ी बोली–जयपुर के दक्षिणी भाग में
(2) चौरासी बोली–जयपुर के दक्षिण पश्चिम व टोंक के पश्चिमी भाग में
(3) राजावाटी बोली– जयपुर के पूर्वी भाग में
(4) तोरावाटी– जयपुर के दक्षिणी भाग में (4)

व्याख्या– तोरावाटी बोली झुंझुनुं जिले के दक्षिणी भाग, सीकर जिले के पूर्वी भाग व जयपुर जिले के उत्तरी भाग में बोली जाती है।

36. बहरोड़, मंडावर (अलवर), कोटपुतली (जयपुर) में बोली जाती है?
(1) खेराड़ी (2) थली
(3) ढाटी (4) अहीरवाटी (4)

व्याख्या– अहीरवाटी/हीरवाल बोली/राठी भी कहा जाता है। हम्मीर रासो व भीम विलास (शंकर राव) इसी बोली में लिखी गई हैं।

37. बाड़मेर में बोली जाने वाली बोली है?
(1) शेखावाटी (2) ढ़टकी
(3) ढ़ाटी (4) चौरासी (3)

38. जयपुर के दक्षिणी भाग में बोली जाती है?
(1) अहीरवाटी (2) काठेड़ी
(3) जगरौती (4) खैराड़ी (2)

39. जयपुर जिले के पूर्वी भागों में बोली जाने वाली बोली है?
(1) काठेड़ी (2) राजावाटी
(3) धावड़ी (4) मालखैराड़ी (2)

40. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) मालवी बोली मुख्यतः प्रतापगढ़, झालावाड़ में बोली जाती है।
(2) रागड़ी बोली मालवा क्षेत्र में बोली जाती है।
(3) ब्रज बोली भरतपुर, धौलपुर में बोली जाती है।
(4) झाड़शाही बोली झालावाड़ में बोली जाती है। (4)

व्याख्या– झाड़शाही/जयपुरी/ढूंढ़ाड़ी बोली मुख्यतः जयपुर, अलवर, दौसा व किशनगढ़ में बोली जाती है।